Brihaspati Dev Ki Aarti

ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा।
छनि-छनि भोग लगाऊं, कदली फल मेवा।। 1 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

तुम पूरण परमात्मा, तुम अंतर्यामी।
जगतपति जगदीश्वर, तुम सबके स्वामी।। 2 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

चरणामृत निज निर्मल, सब पातक हर्ता।
सकल मनोरथ दायक, कृपा करो भर्ता।। 3 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

तन, मन, धन अर्पण कर, जो जन शरण पड़े।
प्रभु प्रकट तब होकर, आकर द्वार खड़े।। 4 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

दीनदयाल दयानिधि, भक्तन हितकारी।
पाप दोष सब हर्ता, भव बंधन हारी।। 5 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

सकल मनोरथ दायक, सब संशय तारो।
विषय विकार मिटाओ, संतन सुखकारी।। 6 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।

जो कोई आरती तेरी प्रेम सहित गावे।
जेष्टानंद बंद सो-सो निश्चय पावे।। 7 ।।
ॐ जय बृहस्पति देवा।।